दैनिक विश्वमित्र

■ कोलकाता
वृहस्पतिवार
२४ मार्च २०११

८

बिड़ला एकेडमी आफ आर्ट एण्ड कल्चर में आयोजित वंदना सहगल की पेंटिंग प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्री बसंत कुमार बिड़ला व डॉ. (श्रीमती) सरला बिड़ला। साथ में हैं वंदना सहगल। विश्वमित्र

पेंटिंग के जरिए रामायण

सरला बिड़ला ने किया वंदना सहगल की पेंटिंग प्रदर्शनी का उद्घाटन

कोलकाता, २३ मार्च (निप्र)। वैदिक या फिर धर्म जैसे विषयों पर पहले भी कलाकारों ने पेंटिंग बनाई है लेकिन वंदना सहगल की रामायण यानि रामायण पर आधारित पेंटिंग एक बार फिर किसी को भी सोचने के लिए बाध्य करती है। कारण वंदना सहगल का रामायण जैसे विषय पर निष्पक्षता से पेंटिंग के साथ इंसाफ करना। आज बिड़ला एकेडमी आफ आर्ट्स एंड कल्चर में डॉ. (श्रीमती) सरला बिड़ला ने वंदना सहगल के पेंटिंग प्रदर्शनी का दीप जलाकर उद्घाटन किया। इस मौके पर सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्री बसंत कुमार बिड़ला सहित कई गणमान्य लोग भी मौजूद थे। रामायण की रंगीन कहानी के उद्धरण पर आधारित वंदना सहगल की पेंटिंग रामायण के रोचक, मोहक, ज्ञानवर्द्धक, शिक्षाप्रद और कर्मप्रधान जैसे विषय का साफ सुथरा चित्रण है। रंगों का प्रयोग आंखों को थकाने वाला नहीं है बल्कि आंखों की उत्सुकता को जगाने वाला है। साफ कहें तो पेंटिंग कला के जरिये सम्पूर्ण रामायण को प्रस्तुत किया गया है और यह जोखिम भरा काम है। विशेष कर आज के दौर में और वंदना ने यह जोखिम उठाया ही नहीं बल्कि अन्य कलाकारों के लिए भी एक अलग रास्ता खोल दिया है। खैर जो भी हो लेकिन राम-रावण युद्ध, राजा दशरथ के द्वारा श्रवण कुमार का वध, दशरथ का कैकेय देश में जाना, राम-लक्ष्मण व सीता का गंगा नदी में नाव से जाना ऋषि भारद्वाज का आश्रम, चित्रकूट और दशरथ की चिता का जलना सहित पेंटिंग वंदना की दक्षता का परिचय है। इस सीरिज में कुल ६६ पेंटिंग हैं और प्रदर्शनी २७ मार्च तक चलेगी।